व्यावसायिक डीजल के दाम 35 प्रतिशत बढ़े

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर, उद्योगों और नगर निगम पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

विजय शर्मा

भोपाल, 24 मई. ईरान और इजराइल के युद्ध का असर वैसे तो एशिया के सभी देशों में पेट्रोल डीजल के दामों पर देखने को मिला है. लेकिन मध्यप्रदेश में इसका असर अधिक पड़ा है. व्यावसायिक उपयोग पर भारत में इस युद्ध के पहले व्यावसायिक और निजी उपयोग वाले डीजल की कीमतों में सिर्फ लगभग 6 रुपए का अंतर था, जो गत माह व्यवसायिक डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत की गई है.

जिसके चलते जिले में वर्तमान में कई पेट्रोल पंपों पर डीजल की समस्या भी सामने आती रही है. वर्तमान में जहां निजी वाहनों के उपयोग के लिए डीजल की कीमत 96.85 रुपए है

वहीं व्यावसायिक उपयोग के लिए लगभग 135 रुपए है. व्यावसायिक उपयोग के लिए इंधन कंपनियों की डिपो से ही दिया जाता है.

किसी भी पेट्रोल पंप से खरीदना पूरी तरह से प्रतिबंध है. अगर कोई व्यावसायिक उपयोग के लिए डिपो से न लेकर पेट्रोल पंप से खरीदा जाता है तो वह अपराध की श्रेणी में आता है.

नगर निगम के सैकड़ों वाहन डीजल के

अभी तक नगर निगम के वाहनों में डीजल पुलिस पेट्रोल पंप या अन्य जगहों से भराया जाता रहा है. इस विभाग में सैकड़ों वाहन डीजल से चलते हैं. लेकिन अब पुलिस पेट्रोल पंप से भी नगर निगम के वाहनों को डीजल देने से मना कर दिया है. नगर निगम वैसे ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है .ऐसे में अगर इनकों बढ़ी हुई कीमतों में डीजल लेना पड़ेगा तो शहर की व्यवस्थाओं पर सीधा असर पड़ेगा और कर्मचारियों को वेतन के लाले पड़ेंगे. इस मामले को लेकर निगमायुक्त से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका.

वृद्धि का असर जनता पर भी पड़ेगा

डीजल में हुए लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि से अब कुछ व्यवसायिक उपयोग वाले निजी पेट्रोल पंप से डीजल ले रहे हैं. इस तरह से भोपाल और मंडीदीप में ऐसे लगभग 100 उद्योग होंगे, जिनमें डीजल का उपयोग होता है. इनकी प्रतिदिन खमप लगभग 25 हजार लीटर बताई जाती है. 6 रुपए की जगह अब लगभग 38 रुपए वृद्धि होने से अब यह चोरी छुपे पेट्रोल पंप से खरीदेंगे जिससे पेट्रल पंप पर डीजल की कमी होने की संभावना रहेगी. वहीं कुछ दिन पहले पेट्रोल पंपों पर इस तरह की समस्या भी आई थी. जिसका सामना जनता को करना पड़ा था.

100 से अधिक संस्थाओं में होता है उपयोग

भोपाल और मंडीदीप में लगभग 100 ऐसे उद्योग हैं, जिनमें डीजल का उपयोग अधिक होता है. जिसमें बिजली उत्पादन, भारी वाहनों, हीटिंग और विशेष मशीनों के संचालन के लिए प्रमुख रूप से किया जाता है. डीजल पर निर्भर प्रमुख उद्योगों में कैप्टिव पावर और जेनरेटर, होटलों, रेस्टोरेंट्स और मैरिज गार्डन, मालवाहक ट्रकों, बसों, स्थानीय डिलीवरी वाहनों, कृषि और निर्माण उपकरण जैसे अर्थमूवर, ट्रैक्टर और हार्वेस्टर, भोपाल नगर निगम, स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों और फाउंड्री में, बीएचईएल और मेट्रो रेल साथ ही मोबाइल के टावरों में जनरेटर के लिए डीजल का उपयोग किया जाता है.

इनका कहना है

व्यावसायिक उपयोग पर डीजल में लगभग 38 रुपए की वृद्धि हुई. व्यवसायिक उपयोग के लिए बकानिया में हिंदुस्तान पेट्रालियम और रिलायंस की डिपो हैं .अगर कोई व्यावसायिक उपयोग के लिए पेट्रोल पंप से डीजल लेता है और जानकारी मिलेगी तो उन पर कार्रवाई की जाएगी.

चंद्रभान सिंह जादौन, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी

जांच के लिए गिरिबाला सिंह के घर पहुंचीं टीमें

घटना स्थल का बारीकी से किया निरीक्षण

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 मई. ट्विशा शर्मा के शव का अंतिम संस्कार रविवार को भदभदा विश्राम घाट पर किया गया. ट्विशा की मां सहित परिवार के लोग इस दौरान बेसुधी में दिखे. ट्विशा की मौत के मामले में एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम करने के बाद दिल्ली एम्स की फॉरेंसिक टीम, एसआईटी और पुलिस अधिकारी कटारा हिल्स स्थित गिरिबाला सिंह के घर पहुंचे. टीमों ने ट्विशा के कमरे की सर्चिंग करते हुए घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया.

जानकारी के मुताबिक जांच टीम जब ट्विशा की मौत के मामले में पूर्व जज गिरिबाला सिंह के घर पहुंची. इस दौरान उनके बड़े बेटे सिद्धार्थ सिंह और घर में काम करने वाले कर्मचारी भी मौजूद रहे.

पूरे घटनाक्रम का सीन रिक्रिएशन एसआईटी ने किया है. अब आरोपी समर्थ सिंह को पुलिस उसके घर ले जाकर 12 मई के दिन की परिस्थितियों को समझने की कोशिश करेगी. सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक समर्थ सिंह से पुलिस की लंबी पूछताछ जारी है. समर्थ से पुलिस ट्विशा के साथ संबंध और घटना वाले दिन कैसे- क्या हुआ. इसको लेकर पूछताछ कर रही है. बताया जा रह है कि पुलिस की आरोपी से पूछताछ जारी है. जांच एजेंसियों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों और डीवीआर को जांच के लिए एफएसएल भेजा है. घटना से एक सप्ताह पहले के भी सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है. आरोपी समर्थ का मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा दिया गया है.

महिला से सहकर्मी ने किया दुष्कर्म

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 मई. गोविंदपुरा पुलिस थाने में एक 31 वर्षीय शादीशुदा महिला ने अपने सहकर्मी युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है. पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

जानकारी के मुताबिक महिला एक निजी संस्थान में सेल्समैन का जॉब करती है. उसके साथ आरोपी शैतान सिंह भी संस्थान में वहीं काम करता है. महिला का आरोप है कि बीते दिसंबर के महीने में आरोपी ने उसे डरा, धमका कर एक कार में जबरन दुष्कर्म किया. महिला ने पुलिस को बताया कि सामाजिक कलंक से बचने के लिए वह अभी तक चुप थी. आरोपी शैतान सिंह के दुर्व्यवहार से परेशान होकर महिला ने पूरी घटना की जानकारी अपने पति को बताई. इसके बाद शनिवार को महिला गोविंदपुरा थाने पहुंची और मामले की शिकायत की. महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. आरोपी शैतान सिंह अभी फरार चल रहा है.

गोविंदपुरा इलाके में नाबालिग लड़के ने की खुदकुशी

बहन और पिता को फोन पर बोला-सॉरी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 मई. गोविंदपुरा इलाके में रहने वाले एक 16 साल के लड़के ने बहन की शादी के कुछ दिन पहले ही रविवार को खुदकुशी कर ली. आत्महत्या करने से पहले नाबालिग ने फोन पर अपनी बहन और पिता से बात करते हुए सॉरी भी बोला. गोविंदपुरा थाना पुलिस ने शव का पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के मुताबिक करण सिंह निवासी अन्ना नगर बीएचईएल में रहता था. करण के पिता ने अशोका गार्डन में भी एक मकान बनाया है. रविवार की सुबह करण के परिजन जब अशोका गार्डन स्थित आवास पर थे, तब वह अन्ना नगर में था. फोन पर सुबह ही करण ने सभी से बात कर सॉरी बोला था. परिजन जबतक कुछ समझ पाते करण ने घर में फांसी लगाकार आत्महत्या कर ली. मौके पर पहुंची गोविंदपुरा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है. परिजनों के बयान के बाद पुलिस खुदकुशी के कारणों का खुलासा करेगी. जानकारी के अनुसार आगामी 18 जून को करण की बहन की शादी होनी है. इससे पहले ही उसने खुदकुशी कर ली. वह 9 वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा था और फिलहाल दूध बाटने वाले एक वाहन में करण काम कर रहा था.

नशे में धुत कार चालक ने एक दर्जन लोगों को मारी टक्कर

पार्टी मनाने गए थे आरोपी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 मई. राजधानी के तीन थाना क्षेत्रों में शनिवार रात नशे में धुत एक कार चालक ने सड़क पर चल रहे दर्जनभर लोगों को घायल कर दिया. आरोपी कार चालक ने लापरवाही से स्पीड में ड्राइव किया. हालांकि इस पूरे मामले में किसी की जान नहीं गई. पुलिस ने कार सवार लोगों का पीछा करते हुए मिनाल रेसीडेंसी इलाके में गिरफ्तार किया. आरोपियों से पुलिस ने इसके बाद पूछताछ की.

जानकारी के मुताबिक घटना के दौरान कार को आरोपी सर्वा दुबे चला रहा था. उसके साथ कार में सवार उसके साथी आदित्य, तुषार खरे और संभव जायसवाल भी थे. सभी बैरागढ़ इलाके में पार्टी मनाने के लिए एक होटल में गए थे, जहां सभी ने शराब का सेवन भी किया. इसके बाद आरोपी सर्वा ने रात के समय कार को स्पीड में चलाते हुए सड़क पर करीब दर्जनभर लोगों को घायल कर दिया. इसमें एक पुलिसकर्मी के चोटिल होने की भी जानकारी सामने आई है. आरोपियों की कार का पीछा करते हुए बैरागढ़, अशोका गार्डन और बजरिया थाना पुलिस ने देर रात को मिनाल रेसीडेंसी इलाके में रुकवाया. इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को लोगों की भीड़ से बचाते हुए हिरासत में लिया. आरोपियों से पूरे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है.

पुलिस ने फरार बदमाश को किया गिरफ्तार

शराब पीने के लिए मांगे जबरन रुपये

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 मई. अयोध्यानगर थाना पुलिस ने अड़ीबाजी और मारपीट मामले में फरार बदमाश को गिरफ्तार किया. आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया. आरोपी बदमाश राबिन ने अपने साथी आरोपी के साथ जबरदस्ती शराब पिलाने के लिए अड़ीबाजी की थी.

फरियादी के पैसे नहीं देने पर राबिन ने अपने दो अन्य साथियों के साथ उसकी बेरहमी से पिटाई भी की थी. दो आरोपियों को पुलिस ने घटना केबाद गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी वापस आकर घर के बजाय अलग अलग स्थानों पर रह रहा था. पुलिस ने सुभाष नगर से उसे गिरफ्तार किया. बदमाश पर मारपीट अड़ीबाजी सहित कई अपराध दर्ज है.

कोर्ट ने आरोपी को जेल भेजा

पुलिस के मुताबिक फरियादी रितेश अग्रवाल चाय नाश्ते का होटल चलाता है. उनके साथ बीते 15 नवंबर को देर रात मिनाल गेट न. 1 के पास आरोपी गौरव ठाकुर, रोविन राय और रवि शर्मा ने जबरदस्ती शराब पिलाने के लिए दबाव बनाया. आरोपियों ने रितेश से इस दौरान जबरदस्ती पैसे मांगे. पैसे नहीं देने को आरोपियों ने फरियादी के गाली गलौच कर उसकी बेरहमी से पिटाई की. रितेश ने मामले की शिकायत थाना अयोध्यानगर में दर्ज कराई. मामले को संज्ञान में लेकर पुलिस ने गौरव और रवि को मौके पर गिरफ्तार किया. राबिन इसके बाद से लगातार फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी थी. रॉबिन की लोकेशन सुभाष नगर क्षेत्र में मिलने पर पुलिस वहां पहुंची और उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया. कोर्ट के आदेश के बाद आरोपी को जेल भेजा गया.

एसआईटी ने 4 महीने से गुम नाबालिग लड़की को खोजा

अपहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 मई. गांधीनगर इलाके में गुम हुई नाबालिग लड़की को एसआईटी की टीम ने 4 महीने बाद खोज निकाला. पुलिस ने लड़की का अपहरण करने वाले आरोपी युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस के मुताबिक बीते 15 जनवरी को नाबालिग के परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी. परिजनों ने बताया कि उनकी 16 साल की बेटी को अज्ञात व्यक्ति अपने साथ ले गया. मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने कार्रवाई शुरू की. इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि नाबालिग को आरोपी कमलेश अहिरवार निवासी बंजारा बस्ती अब्बास नगर अपने साथ लेकर कहीं गया है. आरोपी कमलेश की तलाश लगातार की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पा रहा था. पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने नाबालिग की तलाश को लेकर एसआईटी गठित की. एसाईटी ने कार्रवाई करते हुए चार महीने बाद आरोपी कमलेश अहिरवार को नाबालिग के साथ पकड़ा. आरोपी शातिर किस्म का था, उसने किसी से संपर्क न करते हुए मोबाइल बंद कर नाबालिग को इंदौर, बैंगलोर, अहमदाबाद गुजरात, नरसिंहगढ़ सहित अन्य स्थान पर ले जाकर घुमाया और पुलिस को चकमा देता रहा. आरोपी को पकड़ने के लिए एसआईटी ने सैकड़ों मोबाइल नंबर की सीडीआर और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज निकलवाए. 22 मई को नाबालिग के साथ आरोपी को नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ से पकड़ा गया. आरोपी कमलेश को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. अब पुलिस मामले में आरोपी का साथ देने वाले उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है.

नाबालिग लड़की ने घर में लगाई फांसी

पुलिस को नहीं मिला सुसाइड नोट

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 मई. टीलाजमालपुरा इलाके में एक नाबालिग लड़की ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. अस्पताल की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है. टीलाजमालपुरा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक नाबालिग सिफा (17) निवासी बागमुफ्ती ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी. परिजनों के बयान पुलिस फिलहाल नहीं दर्ज कर पाई है. सिफा घर में ही रहती थी और उसने पढ़ाई के लिए उसने कहीं एडमिशन नहीं लिया था. शनिवार को देर रात सिफा ने अपने घर में फांसी लगा ली. परिजन उसे फंदे पर लटकता देखकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. टीला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा. परिजनों के बयान के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा पुलिस करेगी. मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

गीले कचरे से खाद बनाने का दे रहे प्रशिक्षण

500 परिवारों को प्रशिक्षित करने का है लक्ष्य

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 24 मई. नगर निगम के सहायक आयुक्त सतीष मटसेनिया व नोडल अधिकारी राकेश शर्मा ने रविवार को बैरसिया पहुंचकर नागरिकों, व्यवसायियों को कचरा पृथक्कीकरण एवं डोर-टू-डोर कचरा एकत्रीकरण की व्यवस्था के लिए समझाइश दी. वहीं गीले-सूखे कचरे को पृथक-पृथक डस्टबिन में रखने और पृथक-पृथक ही कचरा वाहन को देने का आह्वान किया.

इस दौरान व्यावसायियों को विशेष रूप से समझाइश दी कि वह अपने दुकानों के बाहर बड़े ढक्कन वाले 2 डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखें और कचरा सड़क पर न फैलने दें.

निगम अधिकारियों ने कहा कि कचरा प्रबधंन हेतु आसान एवं महत्वपूर्ण पहल के रूप में होम कम्पोस्ट है. अभियान के तहत गीले कचरे से खाद बनाने हेतु प्रथम चरण में 60 परिवारों को प्रशिक्षण भी दिया गया. कम्पोस्ट बनाने हेतु 3 चरणों में 500 परिवारों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

स्वीपिंग मशीन और कचरा वाहन दिए

नगर निगम भोपाल ने बैरसिया नगर पालिका को स्वच्छ शहर जोड़ी के अंतर्गत सहयोग करते हुए 04 नग डोर-टू-डोर कचरा वाहन, 01 रोड स्वीपिंग मशीन, 04 रिक्शा, हैंडकार्ट के अलावा स्त्रोत पर ही कचरा पृथक्कीकरण सुनिश्चित करने हेतु लिटरबिन व कम्पोस्ट यूनिट आदि भी प्रदान किये हैं.

1494 किसानों ने बुक किये स्लॉट

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 24 मई. जिले में 9 अप्रैल से चल रही समर्थन मूल्य 2625 रुपये प्रति क्विंटल चल रही गेहूं खरीदी के चार दिन बचे हैं. रविवार को अवकाश होने से गेहूं की तुलाई नहीं हुई. सोमवार को किसान गेहूं का विक्रय करने के लिए पहुंचेंगे. जिन किसानों को स्लॉट मिले हैं, वो ही गेहूं की बेच सकेंगे. अंतिम चार दिन पहले से स्लॉट ले चुके करीब 1494 किसान गेहूं की बिक्री कर सकेंगे. वहीं अभी ऐसे कई किसान हैं जिन्होंने ई-उपार्जन पोर्टल बंद होने से स्लॉट नहीं लिए हैं, उन्हें गेहूं नहीं बेचने की चिंता सता रही है. बता दें कि 2 हजार से अधिक किसान हैं, जिन्हें स्लॉट नहीं मिले हैं. अब ये किसान आपसी तालमेल से ऐसे किसानों से संपर्क करके गेहूं बेच सकते हैं.

समस्या शाम 6 से 7 बजे की बीच बढ़ जाता है वाहनों का दबाव

एमपी नगर जोन-1 में रोज लग रहा जाम

निज संवाददाता

भोपाल, 24 मई. महाराणा प्रताप नगर जोन-1 क्षेत्र में इन दिनों शाम के समय भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है. खासतौर पर शाम 6 बजे से 7 बजे के बीच कार्यालयों की छुट्टी के समय सड़कों पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ जाता है. इस कारण लंबी कतारें लग जाती हैं और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों का कहना है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ट्रैफिक सुचारु रूप से नियंत्रित नहीं हो पा रहा है. कई बार तीनों दिशाओं से

एक साथ वाहन आने लगते हैं,जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है. जाम के कारण लोग लंबे समय तक सड़क पर फंसे रहते हैं.

पैदल यात्रियों को भी सड़क पार करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. कई बार काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है.स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने की जरूरत है.

पुलिस तैनात की जाए

रोजाना इस समस्या के कारण लोगों का समय बर्बाद हो रहा है और ईंधन की खपत भी बढ़ रही है. नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि पीक ऑवर्स में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए और ट्रैफिक प्रबंधन को मजबूत किया जाए. लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है.

7 लाख से अधिक मकानों की हुई गणना

पर्यवेक्षक रोज मकान सूचीकरण ब्लॉक चेक कर देंगे रिपोर्ट

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 24 मई. भारत की जनगणना के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य तेज गति से किया जा रहा है. वर्तमान तक निगम सीमा अंतर्गत 7 लाख 10 हजार से अधिक मकानों की गणना का कार्य किया जा चुका है. साथ ही 3 हजार 285 जनगणना ब्लॉकों में से 2 हजार 900 मकानों का सूचीकरण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है.

जनगणना मकान सूचीकरण कार्य में प्रगणकों द्वारा विशेष रूचि लेकर लगन एवं निष्ठा के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु व्यक्तिगत तौर पर भी प्रयास किये जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप चार्ज क्र. 01, 03, 06, 15 एवं 20 में कार्य पूर्ण किया जा चुका है. निगम आयुक्त व प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी संस्कृति जैन द्वारा भी समय-समय पर जनगणना मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण एवं समीक्षा की जा रही है. समीक्षा के दौरान श्रीमती जैन द्वारा सभी चार्ज क्षेत्रों के समस्त पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वह प्रतिदिन अपने अधीनस्थ मकान सूचीकरण ब्लॉक को चेक करें और निर्धारित प्रारूप में ओके रिपोर्ट भी दें. नगर निगम उपायुक्त एवं नगर जनगणना अधिकारी हीरेन्द्र सिंह कुशवाहा द्वारा प्रतिदिन निरीक्षण और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मकान सूचीकरण कार्य पर सतत रूप से निगरानी की जा रही है. कार्य के दौरान आने वाली कमियों को दूर करने हेतु चर्चा भी की जा रही है. कमियों को दूर करने हेतु गठित दल निरंतर प्रगणकों के फील्ड वर्क व एप आदि पर किये गये कार्य का निरीक्षण कर रहे हैं. इसी तारतम्य में उपायुक्त एवं नगर जनगणना अधिकारी हीरेन्द्र सिंह कुशवाह, जनगणना निदेशालय के डिस्ट्रिक इंचार्ज मनोज सैनी व राहुल सैनी, मास्टर ट्रेनर्स सुरेन्द्र रधुवंशी व मुकेश नापित द्वारा मकान सूचीकरण में आनेवाली कमियों को प्रगणकों, सुपरवाइजर्स से चर्चा कर समय सीमा में निराकृत कराया जा रहा है.